

जिला कलवटर श्री यादव ने किया फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का अवलोकन

शत प्रतिशत किसानों का डिजिटल आईडी बना करें योजना से लाभान्वित : जिला कलवटर

बढ़ता राजस्थान

बालोतरा, (कैलाश गोस्वामी)। जिला कलवटर सुशील कुमार यादव ने गुरुवार को चाढ़ी की छाणी में भीमांजित फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायाचा लिया। उन्होंने वहां पौजूट किसानों से संवाद कर उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जिला कलवटर श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखें ताकि इसका प्रभावी कियावनका सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपने परिचय किसानों से जारी होने वाले योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

जिला कलवटर श्री यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखें ताकि इसका प्रभावी कियावनका सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपने परिचय किसानों के बारे में जानकारी देने की अपील करते हुए बताया कि किसान रजिस्ट्री, एप्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा।

कृषि विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीवीएस निर्देशांक, उस पर बोर्ड गई फसलों का विवरण आदि को डिजिटल रूप में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक कृषि भूमि का अधिकारी एवं उन्हें जारी करते हुए आधारीका आधारीका एवं उन्हें यूनिक आईडी (विशेष किसान आईडी) आवारित की जाएगी। जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे उन्होंने बताया



कि फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में निर्धारित विधियों को प्राप्त 9.30 बजे से साथ 5.30 बजे अपनी रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगल पूर्णी वीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशु पालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभान्वित किया जा रहा है।

इस दौरान उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण प्रक्रिया का निरीक्षण कर किसानों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसमें पूर्व जिला कलवटर सुशील कुमार यादव ने चाढ़ी की छाणी विशेष निर्माणाधीन कन्या महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण कार्य शीघ्र पूरा करवाने के निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करवाने के निर्वेश दिए। उन्होंने कहा कि कन्या महाविद्यालय के संचालन से स्थानीय बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग होगा। उन्होंने अधिकारियों को कि महाविद्यालय निर्माण के विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के इसी क्रम में उन्होंने पायथलाका दुर्घटना स्थल का भी मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि दुर्घटना के संभावित कारणों का पता करें, साथ ही ऐसी दुर्घटना दुबारा ना हो, समुचित व्यवस्थाएं करें। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर, तहसीलदार और अम्बास मंसेत प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी साथ रहे।

प्रशस्त होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश कि महाविद्यालय निर्माण के दौरान गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। निरीक्षण के इसी क्रम में उन्होंने पायथलाका दुर्घटना स्थल का भी मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि दुर्घटना के संभावित कारणों का पता करें, साथ ही ऐसी दुर्घटना दुबारा ना हो, समुचित व्यवस्थाएं करें। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर, तहसीलदार और अम्बास मंसेत प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी साथ रहे।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 36 वे दिन भी अनवरत जारी

जिला समाप्त करने के विरोध में ऋषिक अनशन धरने पर धर्मिय राजपूत समाज के सदस्य बैठे

बढ़ता राजस्थान



शाहपुरा जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में 7.30 बजे शाम कैंडल मार्च निकाला जाएगा और 9 फरवरी को शाहपुरा शहर में शाम 7.30 बजे बालाजी की छतरी से रामद्वारा तक कैंडल मार्च और मसाले रेली निकाली जाएगी।

अभिभाषक संस्था

शाहपुरा कि साधारण सभा की बैठक में लिए महत्वपूर्ण निर्णय अनुसार एवं अभिभाषक संस्था के सह सचिव कमलसाह शाहपुरा ने जिला बचाओ संघर्ष समिति को अधिकारियों ने 2 जनवरी से निरंतर न्यायालय में न्यायिक कार्रवाई का बहिराकर रखा है। सामाजिक संटोकों का सदस्यों द्वारा तथा निर्माण योजनाओं को समर्थन किया जाता है। 7 फरवरी को खाली समाज के सदस्यों द्वारा तथा निर्माण योजनाओं को समर्थन किया जाता है। 28 फरवरी को ब्लैक डे पर शाहपुरा बंद रखने का निर्णय लिया गया।

मुडेंटिया अधिकारका अनिल शर्मा नमन ओड़ा पचालाल खारेल योगेंद्र सिंह भाटा मोहम्मद शरीफ सिंह अदाल्य वर्धन सिंह विक्रम सिंह सुदूर सिंह नंदें संह राणावत चावडं सिंह शकावत ऋषिक अभिकारी को राजपूत समाज के नाम शाहपुरा जिले को बहाल करने का ज्ञापन मिला। अधिकारी को राजपूत समाज के सदस्यों का जिला बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा संयोजक राम प्रसाद जाट बकाओं ने शहरपुरा को समाप्त करने के नेतृत्व में महिलाओं

ने शहरपुरा को जिले का दर्जा देने की मांग की और शाहपुरा जिले को समाप्त करने का विरोध किया। संघर्ष समिति के महासचिव एवं अभिभाषक संस्था के सह सचिव कमलसाह शाहपुरा ने जिला बचाओ संघर्ष समिति को अधिकारियों ने 2 जनवरी से निरंतर न्यायालय में न्यायिक कार्रवाई का बहिराकर रखा है। सामाजिक संटोकों का सदस्यों द्वारा तथा निर्माण योजनाओं को समर्थन किया जाता है। 7 फरवरी को खाली समाज के सदस्यों द्वारा तथा निर्माण योजनाओं को समर्थन किया जाता है। 28 फरवरी को ब्लैक डे पर शहरपुरा बंद रखने का निर्णय लिया गया।

सहित धरना स्थल पर पहुंचकर जिला बचाओ संघर्ष समिति शहरपुरा को लिखिया समर्थन पत्र करने का आवश्यक संस्था की अधिकारीयों ने जिला बचाओ संघर्ष समिति को अधिकारियों ने 2 जनवरी से निरंतर न्यायालय में आहूत की गई। संघर्ष सचिव वीरेंद्र पत्रिया ने बताया कि नए सदस्यों के सदस्यता देने तथा अधिकारका चैंबर्स के खरखाल एवं संस्था के बैनर तले चल रहे जिला बचाओ आंदोलन के बारे में चार्चा से निरंतर समर्थन करने के आवश्यक संस्था की बैठक के बारे में रखा जाएगा। इस सचिव से निर्माण योजनाओं को समर्थन करने के बारे में चार्चा की जाएगी। इस सचिव के बारे में रखा जाएगा।

में किसान अपनी फार्मर आईडी बनाएं ताकि विभिन्न योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। शुरूआत से बालों के बारे में आवेदन करने वाले किसानों का शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाई जाए। इसी के साथ पीएम किसान समाज निधि योजना में भी पात्र किसानों को इराले की जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से कहा कि योजना के बारे में आवेदन करने वाले किसानों का शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाई जाए। इसी के साथ पीएम किसान समाज निधि

योजना में भी पात्र किसानों को इराले की जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से कहा कि योजना के बारे में आवेदन करने वाले किसानों का शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाई जाए। इसी के साथ पीएम किसान समाज निधि

में किसानों को इराले की जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से कहा कि योजना के बारे में आवेदन करने वाले किसानों का शत प्रतिशत फार्मर आईडी बनाई जाए। इसी के साथ पीएम किसान समाज निधि

में किसानों को इराले की जाएगी।

में किसानों को इराले की जाए

'भूल गया कि फिल्म के डायरेक्टर बोमन ईरानी हैं अविनाश तिवारी बोले- उनके समर्पण ने सिखाया, 'द मेहता बॉयज' में काम करके गर्व महसूस हुआ

उटर से डायरेक्टर बने बोमन ईरानी की फिल्म 'द मेहता बॉयज' प्राइम वीडियो पर एलीज हो रही है। पिता-पुत्र के रिश्ते पर आधारित इस फिल्म में अविनाश तिवारी ने बोमन ईरानी के बेटे की भूमिका निभाई है। हाल ही में दैनिक भाष्टकर से बातचीत के दौरान अविनाश तिवारी ने बताया कि शूटिंग के दौरान वो भूल गए थे कि बोमन ईरानी फिल्म के डायरेक्टर हैं। फिल्म के प्रति उनके समर्पण को देखकर बाकी लोगों ने वैसा ही काम किया। इसलिए फिल्म अच्छी बनी है। यह फिल्म सिर्फ पिता-पुत्र की नहीं, बल्कि यह फिल्म इंसानी रिश्तों की कहानी है।

पेश है अविनाश तिवारी से हुई बातचीत के कुछ और खास अंश....

फिल्म 'द मेहता बॉयज' में आपको क्या खास बात नजर आई?

फिल्म का विषय तो हमें से काफी दिलचस्प रहा है। इंडियन सिनेमा का इतिहास रहा है कि फिल्मों में पिता-पुत्र के रिश्तों को खास तौर पर दिखाया जाता है। यह सिर्फ इंडियन सिनेमा में नहीं, बल्कि इंटरनेशनल सिनेमा में भी देखने को मिलता है।

इस फिल्म में पिता-पुत्र के बीच जिस तरह के रिश्ते को दिखाया गया है। वह बात मुझे बहुत खास लगी थी। इस फिल्म को बहुत ही खास नजरिए से लिया गया है। फिल्म को स्क्रिप्ट पढ़ने ही मुझे महसूस हुआ कि इस फिल्म का विषय तो हमें सुना बना है। मैंने जिदीगी में बहुत काम किया है और आगे करता रहूँगा।

इस फिल्म में आपने अमय का किरदार निभाया है। यह किरदार आपके निजी जीवन से कितना मेल खाता है?

फिल्म के लिए यह किरदार बहुत महत्वपूर्ण है। इस फिल्म की कहानी मुझे सिर्फ पिता-पुत्र की नहीं लगती है। बल्कि यह फिल्म इंसानी रिश्तों की कहानी है।

की कहानी है। रिश्तों में कम्पनिकेशन, ईगो और अपनी बात को सही तरीके से ना पहुंचा पाने की समस्या होती है। उसे इसमें बहुत बख्ती तरह से पिता-पुत्र के रिश्ते के माध्यम से कहा गया है। मुझे गवर्ह है कि मैं एक ऐसी फिल्म का हिस्सा हूँ, जो परिवार के बंधन और सुलह जैसे विषयों को इतने सटीक तरीके से रखती है।

डायरेक्टर के रूप में बोमन ईरानी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

फिल्म के एक सीन की शूटिंग के दौरान मैं भूल गया कि बोमन सर फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। दरअसल, बोमन सर के साथ पहला सीन था जहां हम लोग एक दूसरे को सोने के लिए कहते हैं। इस सीन की रिहसेल हमने डेढ़-दो महीने खोल की थी। शुरू के दो टेक तो हमने जो रिहसेल को थी उसके हिसाब से बहुत अच्छा शूट हो गया। उसके बाद हम दोनों आपस में एकटर के तौर पर एक्स्ट्रेस

रहे थे कि सीन कैसा शूट करना है।

जो फ्रीडम इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मिली, वैसी फ्रीडम आज तक किसी फिल्म की शूटिंग के दौरान नहीं मिली। बोमन सर का इस फिल्म में जो समर्पण देखने को मिला है, उसे देखकर हर किसी का लगता था कि उस लेवल तक कैसे काम करना है। इसलिए यह अच्छी फिल्म बन पाई है।



ये लाइनें नोरा फतेही की जिंदगी पर बिल्कुल सटीक बैठती हैं। एक वो दौर था कि नोरा कनाडा से महज पांच हजार रुपए लेकर मुंबई आई थी और एक ये दौर है जब वो हर साल 2 करोड़ रुपए कमाती हैं। आज नोरा अपना 33वां जन्मदिन मना रही है। उनके बर्थडे के मौके पर जानकारी देती हैं।

नोरा के अंदर बचपन से ही डांस का जनून था। नोरा घर में पैरेंट्स से छिपकर बंद कमरे में डांस किया करती थीं। एक दिन नोरा की मां ने उन्हें डांस करते हुए देख लिया।

नोरा का डांस करना उन्हें इतना नामगंवार गुजरा कि उन्होंने नोरा को खूब पिटाई की। पैरेंट्स के विरोध के बावजूद नोरा ने डांस करने नहीं छोड़ा। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारत आने का फैसला कर लिया।

5 हजार रुपए लेकर भारत आई थीं और अपने इन दिनों में नोरा को डांस करने के बावजूद नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एजेंसी ने टोगे 20 लाख रुपए बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाने से पहले नोरा के साथ ऊपर हुई थी। नोरा ने पिंकिला के साथ बातचीत में कहा, भारत में विदेशियों के लिए जीवन बहुत कठिन है। हम बहुत कुछ लोग इसके बारे में ठीक से जानते भी नहीं हैं। वे हमारे पैसे लेते हैं। यह मेरे साथ भी हुआ है और मैं संस्थानस्ती कहूँ तो मुझे उस समय थेरेपी की जरूरत पड़ गई थी।

अपने स्ट्राइलिंग फैज के बारे में 2019 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एजेंसी ने टोगे 20 लाख रुपए बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाने से पहले नोरा के साथ ऊपर हुई थी। नोरा ने पिंकिला के साथ बातचीत में कहा, भारत में विदेशियों के लिए जीवन बहुत कठिन है। हम बहुत कुछ लोग इसके बारे में ठीक से जानते भी नहीं हैं। वे हमारे पैसे लेते हैं। यह मेरे साथ भी हुआ है और मैं संस्थानस्ती कहूँ तो मुझे उस समय थेरेपी की जरूरत पड़ गई थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एजेंसी ने टोगे 20 लाख रुपए बॉलीवुड इंडस्ट्री में पहचान बनाने से पहले नोरा के साथ ऊपर हुई थी। नोरा ने पिंकिला के साथ बातचीत में कहा, भारत में विदेशियों के लिए जीवन बहुत कठिन है। हम बहुत कुछ लोग इसके बारे में ठीक से जानते भी नहीं हैं। वे हमारे पैसे लेते हैं। यह मेरे साथ भी हुआ है और मैं संस्थानस्ती कहूँ तो मुझे उस समय थेरेपी की जरूरत पड़ गई थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

एप्रिल 2020 में नोरा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन दिनों जिस एजेंसी के लिए उन्होंने काम किया वो उन्हें हफ्ते के बास हजार रुपए देती थी।

